

जिस दिल ने तुझे चाहा,
 उसको भुला दिया \$\$\$
 क्या खूब भलाई का
 तूने सिला दिया ॥

जिस दिल-----

समझा था मैंने तुझको \$\$\$\$
 इक-तुकड़ा ज़िगर का \$\$\$ ॥२॥
 की वक्त ने नादानी \$\$\$\$
 जो-तुमसे मिला दिया

क्या खूब----- जिस दिल---

होता है परे दुनियाँ के \$\$\$
 ये फक्कड़ी हिसाब \$\$\$ ॥२॥
 थोड़े से हादसों ने \$\$\$
 मेरा दिल हिला दिया \$\$\$

क्या खूब----- जिस दिल---

तू-जी रहा था अब तलग \$\$\$
 मुरदार जिन्दगी \$\$\$\$
 तुझे दाली के परिवार ने \$\$\$\$
 फिर से जिला दिया \$\$\$

क्या खूब----- जिस दिल-----

हर वक्त साथ देने को ५५५

रेवा जी उा गई ५५५

आई थी खुशी बाँटने ५५५ ॥२॥

तूने रुला दिया ५५५

क्या खूब ---- जिस दिल ----

न भूलना पूछूंगा जब ५५५

आके सरे महफिल ५५५ ॥२॥

चलूँ - अलविदा - मेरी मर्कू ने ५५५

बापस बुला लिया ५५५

क्या खूब ---- जिस दिल ----

अच्छा हुआ "श्री बाबा श्री" जो ५५५

नींद उा गई ५५५ ॥२॥

माता ने अपनी गोद में ५५५

हंस के सुला लिया ५५५ ॥२॥

क्या खूब ---- जिस दिल ----